बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अप्रैल, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची

		पेज नं.
(A)	अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण	01
(B)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	04
(C)	कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत ''जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा'' जागरूकता कार्यक्रम	05
(D)	''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम के अंर्तगत युवक/युवतियों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण	06
(E)	''सुरक्षित तैराकी'' के लिए युवक/युवतियों का प्रशिक्षण	08
(F)	पटना में प्रदूषण (जल, मिट्टी और ध्वनी) की वर्तमान स्थिति विषय पर अध्ययन के अंतिम प्रतिवेदन पर हितधारकों का कार्यशाला	09
(G)	बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	10
(H)	पंचायत संसाधन केन्द्र **(DPRC)** के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण	11
(I)	सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण	13
(J)	वज्रपात से बचाव संबंधी कार्ययोजना के लिए बैठक	15
(k)	वज्रपात से बचाव संबंधी कार्ययोजना के लिए औरंगाबाद में बैठक	16
(L)	**M/s Anshul Snacks and Beverages Pvt. Ltd.esa Boiler** फटने की घटना के आलोक में विभिन्न औद्योगि इकाइयों में सुरक्षा के लिए समीक्षा बैठक	17
(M)	बिहार दिवस के अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले संस्थाओं को किया गया सम्मानित	18
(N)	सोनपुर मेला, 2022 के आयोजन की पूर्व तैयारी बैठक	20
(O)	सड़क सुरक्षा विषय पर मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए प्रारूपण समिति की बैठक	22
(P)	मोटर पार्ट्स दुकानों में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रचार सामग्री का वितरण	23
(Q)	**Bihar State Disaster Resource Network** की **Review** मीटिंग	24
(R)	**Mass Messaging**	25

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (अप्रैल, 2022)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

माह मार्च 2022 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ–साथ भूकम्पीय जोन V के 8 में से 6 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया। मार्च 2022 तक 18905 राज्यमिस्त्रियों एवं 2676 असैनिक अभियंताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं अप्रैल 2022 में 565 राज्यमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार अप्रैल 2022 तक 19740 राज्यमिस्त्रियों एवं अनुभवी 2676 असैनिक अभियंताओं को भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।

1. दिनांक 18 अप्रैल 2022 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 35 अभियंताओं/राजमिस्त्रियों का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।
2. दिनांक 19 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के वरीय पदाधिकारियों द्वारा राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में प्राधिकरण के सभाकक्ष में एक प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसका अवलोकन मा० उपाध्यक्ष एवं मा० सदस्य द्वय द्वारा किया गया एवं सुसंगत सुझाव/निदेश दिये गये।
3. **दिनांक 20 से 26 अप्रैल 2022 तक, समस्तीपुर जिला के सभी 20 प्रखंडों में** दूसरे बैच में **कुल 565** राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन के विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण के

माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

(i) राजमिस्त्री प्रशिक्षण के अन्तिम दिन (26 अप्रैल 2022) प्रत्येक प्रखंड में लगभग 30 गृहस्वामियों, निर्माण सामग्री के व्यवसायी एवं अन्य प्रभावशालीजनों के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

(ii) राजमिस्त्री प्रशिक्षण के अंतिम दिन उन्हें मेसन टूल किट एवं सेफ्टी हेलमेट प्रदान किया गया।

(iii) श्रम संसाधन विभाग के द्वारा प्रखंड में जाकर राजमिस्त्रियों का श्रम निबन्धन कराया गया।

4. भवनों का R.V.S. (Rapid Visual Screening) कराने के संबंध में आई.आई.टी., पटना, के साथ MOU किया गया है। Pilot study के तहत निम्नलिखित का चयन किया गया। पाँच भवनों

i. डा0 भीमराव अम्बेदकर कल्याण छात्रावास, मगध महिला महाविद्यालय, पटना,

ii. डा0 भीमराव अम्बेदकर कल्याण छात्रावास, महेन्द्रू, पटना,

iii. आयुक्त कार्यालय भवन, मुजफ्फरपुर,

iv. समाहरणालय भवन, पूर्वी चम्पारण

v. समाहरणालय भवन, दरभंगा का प्राधिकरण स्तर पर चयन कर IIT को सूचित किया गया।

IIT द्वारा इन भवनों का निरीक्षण कार्य एवं नमूना संग्रह का कार्य किया गया। मगध महिला महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संबंधित जिलों के अपर समाहर्ता तथा आयुक्त के सचिव के साथ आवश्यक समन्वय कर IIT पटना को आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। IIT द्वारा इस संबंध में अग्रेतर अध्ययन किया जा रहा है।

5. Shake Table का निर्माण कार्य प्रगति पर है। NIT रायपुर के प्रो० गोवर्द्धन भट्ट से लगातार सम्पर्क एवं समन्वय किया जा रहा। उनके द्वारा माह जून तक इसे पूरा कर लेने का आश्वासन दिया गया है।

6. राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण से सम्बन्धित कार्य का अनुश्रवण किया गया। प्रभारी प्राध्यापक ने बताया कि यह कार्य माह मई के अन्त तक पूर्ण होना सम्भावित है।

7. बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र से सम्बन्धित केन्द्रीय संग्रहण स्टेशन भवन एवं फील्ड स्टेशन के निर्माण कार्य तथा हस्तांतरण हेतु आवश्यक कारवाई की गई। भवन निर्माण निगम लि० के पदाधिकारियों के साथ प्राधिकरण के सभाकक्ष में माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक हुई एवं सुसंगत निर्णय लिये गये।

8. बिहार भूकम्प आपदा प्रबंधन मार्गदर्शिका के गठन के संबंध में ड्राफ्टिंग कमिटी के

सदस्यों एवं अन्य विशेषज्ञों के साथ समन्वय का कार्य किए जा रहे हैं। विशेषज्ञों से प्राप्त मंतव्य को ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्य द्वय प्रो. अतुल आदित्य पाण्डेय एवं प्रो. वैभव सिंघल को अग्रेतर कार्रवाई हेतु माह मई में भेज दिया जाएगा।

अभियंताओं/राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स			
क्र. सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि/स्थान**	**प्रशिक्षित प्रतिभागी की संख्या**
1	राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण	20 से 26 अप्रैल 2022	565 राजमिस्त्री
2	रिफ्रेशर कोर्स	18 अप्रैल 2022 को BSDMA, पटना में।	35 प्रशिक्षकगण

समस्तीपुर जिला में दूसरे बैच में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रषिक्षण।			
क्र. सं.	**ब्लॉक का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि**	**प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या**
1	मोहनपुर	दिनांक 20 से 26 अप्रैल 2022	29
2	मोहिउद्दीन नगर		30
3	विद्यापति नगर		30
4	रोसड़ा		27
5	विभूतिपुर		29
6	हसनपुर		22
7	बिथान		27
8	सिंघिया		29
9	शिवाजी नगर		30
10	खानपुर		28
11	वारिसनगर		27
12	कल्याणपुर		30
13	पूसा		29
14	समस्तीपुर		29
15	ताजपुर		30
16	मोरवा		30
17	सरायरंजन		28
18	उजियारपुर		27
19	दलसिंहसराय		25
20	पटोरी		29
कुल			**565**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(B) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत'16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अप्रैल माह में राज्य के कुल 257 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 57 सरकारी एवं 200 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया है। इस प्रकार अब राज्य में (मार्च 2022 तक 4235+अप्रैल 2022 में 297) कुल 4,492 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है। ब्यौरा इस प्रकार है:–

माह अप्रैल 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र0सं0	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	1	22	23
2	नालंदा	0	1	1	1	3	4
3	रोहतास	0	0	0	0	8	8
4	भभुआ	0	0	0	0	0	0
5	भोजपुर	1	0	1	0	0	0
6	बक्सर	1	1	2	0	1	1
7	गया	0	0	0	2	0	2
8	जहानाबाद	0	0	0	0	2	2
9	अरवल	0	0	0	0	2	2
10	नवादा	0	0	0	0	0	0
11	औरंगाबाद	0	0	0	1	1	2
12	छपरा	1	0	1	0	0	0
13	सिवान	0	0	0	1	2	3
14	गोपालगंज	0	0	0	3	0	3
15	मुजफ्फरपुर	0	0	0	0	14	14
16	सीतामढ़ी	Nill 0	0	0	0	0	0
17	शिवहर	0	0	0	0	0	0
18	बेतिया	0	0	0	0	2	2
19	बगहा	0	0	0	1	1	2
20	मोतिहारी	2	2	4	7	25	32
21	वैशाली	0	2	2	0	11	11
22	दरभंगा	0	0	0	3	15	18
23	मधुबनी	0	0	0	1	9	10
24	समस्तीपुर	0	0	0	0	4	4
25	सहरसा	0	0	0	1	2	3
26	सुपौल	0	0	0	1	5	6
27	मधेपुरा	1	0	1	1	2	3
28	पूर्णिया	Nill 0	0	0	0	0	0
29	अररिया	0	0	0	1	1	2
30	किशनगंज	0	0	0	0	1	1
31	कटिहार	0	0	0	2	7	9
32	भागलपुर	2	3	5	0	10	10
33	नवगछिया	0	0	0	1	2	3
34	बाँका	0	0	0	2	1	3
35	मुंगेर	0	0	0	0	0	0
36	लखीसराय	0	0	0	5	0	5
37	शेखपुरा	0	0	0	0	1	1
38	जमुई	0	0	0	0	0	0
39	खगड़िया	1	1	2	10	31	41
40	बेगुसराय	2	1	3	1	4	5
कुल योग		11	11	22	46	189	235

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(C) कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत "जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा" जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया । कोविड–19 के कारण इस कार्यक्रम को मार्च 2020 एवं अप्रैल 2021 में स्थगित करना पड़ा।

कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नही करें) का प्रदर्शन, सड़क दुर्घटना में प्रभावित हुये छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है। अप्रैल में 2022 में पटना और जहानाबाद में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें चार स्कूलों के छात्रों/शिक्षकों ने भाग लिया जिसमें 300 छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस प्रकार अब तक इस कार्यक्रम में लगभग 4850 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

क्र0सं0	दिनांक	विद्यालय का नाम
1	08.04.2022	इंटर हाई स्कूल, लखावर, घोषी, जहानाबाद
		+2 राजकीय उच्च विद्यालय, घोषी, जहानाबाद
2.	22.04.2022	प्रेमालोक मिशन स्कूल, बैरिया, पटना।
		विद्या निकेतन गर्ल्स हाई स्कूल, बैरिया, पटना।

(D) "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंर्तगत युवक/युवतियों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

डूबने से होने वाली मृत्यु की रोकथाम के उद्देश्य से ''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम के तहत विभिन्न अंचलों के गाँवों के चयनित युवक/युवतियों के लिए मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम पुनः शुरू किया गया है।

8वें बैच में दिनांक 04.04.2022 से 12.04.2022 तक गया जिले (टनकुप्पा, फतेहपुर एवं वजीरगंज प्रखण्ड़) के 20 प्रशिक्षुओं को मास्टर ट्रेनर्स के 9 दिवसीय मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षुओं को सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य, विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, तैराकी प्रशिक्षण, डूबते को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, समुदाय स्तर पर बालक–बालिकाओं के प्रशिक्षण की प्रक्रिया, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश, कोविड–19 से बचाव के उपाय, सेफ एवं अनसेफ टच आदि विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

इनमें से कुल 19 प्रशिक्षुओं ने अर्हता जांच में सफलता पूर्वक मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण पूरा किया, वहीं 01 प्रशिक्षु ने सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण पूरा करने का प्रमाण प्राप्त किया।

9वें बैच में दिनांक 21.04.2022 से 29.04.2022 तक बांका जिले के बांका, बेलहर, चांदन, फुल्लीडुमर एवं कटोरिया प्रखण्डों के 16 गोपालगंज जिले के विजयीपुर एवं थावे प्रखण्ड़ के 11 प्रशिक्षुओं ने सफलता पूर्वक 9 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान प्राप्त किया। इस प्रकार (16+11) कुल 27 प्रशिक्षुओं ने अर्हता जांच में सफलता पूर्वक मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण पूरा किया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

अप्रैल 2022 माह का प्रशिक्षण विवरण निम्नांकित हैः–

बैच सं0	तिथि	जिला	प्रखण्ड	स्थान	कुल प्रशिक्षित प्रशिक्षु पुरूष	
1	04.04.2022 से 12.04.2022	गया	टनकुप्पा, फतेहपुर एवं वजीरगंज	NINI	मास्टर ट्रेनर्स प्रषिक्षित प्रशिक्षु	19
					तैराकी प्रशिक्षित प्रशिक्षु	01
2	21.04.2022 से 29.04.2022	बांका	बांका, बेलहर, चांदन, फुल्लीडुमर एवं कटोरिया	NINI	मास्टर ट्रेनर्स प्रषिक्षित प्रशिक्षु	16
		गोपालगंज	विजयीपुर एवं थावे		मास्टर ट्रेनर्स प्रषिक्षित प्रशिक्षु	11
					कुल	46

इस प्रकार अप्रैल माह 2022 तक कुल 09 बैचों में पटना, वैशाली, खगड़िया, बेगूसराय भोजपुर,गया,बांका एवं गोपालगंज जिलों के कुल 117 + 46 = 163 युवकों एवं 9 + 15 = 24 युवतियों को मास्टर ट्रेनर्स तथा कुल 25 युवतियों एवं 06 +1 = 07 युवकों को तैराकी में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) "सुरक्षित तैराकी" के लिए युवक/युवतियों का प्रशिक्षण

अप्रैल 2022 में सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत पटना जिले के दानापुर प्रखण्ड एवं वैशाली जिले के महनार प्रखण्ड में 06 से 18 आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं का 12 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाने के उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना एवं वैशाली द्वारा सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत जीवन रक्षा एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है:–

क्र0 सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड	प्रशिक्षण की तिथि (अप्रैल 2022)	बैचों की संख्या	सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या (निम्नलिखित प्रखंडों के अंचलाधिकारियों/ बालदेव इन्टर विद्यालय के नोडल शिक्षक से दूरभाष से प्राप्त सूचना के अनुसार)
1	पटना	दानापुर (बालदेव इंटर विद्यालय के सहयोग से)	11 से 22 अप्रैल 2022	01 (छात्र)	24
				01 (छात्रा)	28
2	वैशाली	महनार	16 –27 अप्रैल 2022	02 (बालक)	58
				कुल	**110**

(F) पटना में प्रदूषण (जल, मिट्टी और ध्वनी) की वर्तमान स्थिति विषय पर अध्ययन के अंतिम प्रतिवेदन पर हितधारकों का कार्यशाला

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पटना नगरीय क्षेत्र में प्रदूषण (जल, मिट्टी और ध्वनी) की वर्तमान स्थिति पर नीरी से अध्ययन कराया गया है। नीरी के अध्ययन संबंधी अंतिम प्रतिवेदन एवं एम0आई0एस0 उपकरणों पर दिनांक दिनांक 11 अप्रैल 2022 को हितधारकों के साथ परामर्शी कार्यशाला का अयोजन किया गया। कार्यशाला में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, जल संसाधन विभाग, बुडको, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मौसम विज्ञान विभाग, जनगणना ऑपरेशन एवं पटना नगर निगम के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में सीएसआईआर–नीरी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा जल, ध्वनी और मिट्टी की मौजूदा स्थिति, उनके लागत–लाभ विश्लेषण, मौसम संबंधी मापदंडों, जलवायु परिवर्तन और आजीविका के साथ एकीकरण और आपदा जोखिम में कमी के साथ शमन योजना पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला में विकसित की गई एम0आई0एस0 उपकरणों के माध्यम से डेटा निश्कर्ष, जोड़, उनके सह–संबंध और विश्लेषण के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल दृष्टिकोण पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकरी दी गई। सभी हितधारकों एवं समिति के अध्यक्ष ने नीरी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन को स्वीकृत किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

बिहार राज्य बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गाँवों पंचायतों, प्रखण्डों एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इसी उद्देश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओं के प्रत्युत्तर के लिए तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के लिए मददगार हो सकें। साथ हीं अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न आपदाओं की प्रवणता की जानकारी हासिल कर आपदाओं के जोखिम–न्यूनीकरण तथा प्रबंधन में समुदाय की सहायता कर सकेंगे। अप्रैल 2022 में दिनांक 01.04.2022 से 12.04.2022 तक प० चम्पारण के कुल 45 स्वयंसेवकों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रकार अब तक पूर्णिया, मुजफ्फरपुर एवं प० चम्पारण जिले के कुल 384 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(H) पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

पंचायत संसाधन केन्द्र (DPRC) के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। पाँच बैचों में 5–6 अप्रैल, 7–8 अप्रैल, 12–13 अप्रैल, 19–20 अप्रैल एवं 21–22 अप्रैल, 2022 को आयोजित इस प्रशिक्षण में जिला परियोजना प्रबंधक, जिला जल स्वच्छता समन्वयक, जिला वित्त प्रबंधक, जिला सामाजिक विकास समन्वयक, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समन्वयक, जिला पंचायत वित्त समन्वयक, प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक, ब्लॉक फेसिलिटेटर एवं प्रखण्ड लेखा प्रबंधक शामिल हुए। प्रशिक्षण इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित प्रखण्डस्तरीय प्रशिक्षण में सभी जनप्रतिनिधियों को जागरूक करना है। ताकि किसी भी आपदा के समय वे अपने पंचायत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

माह अप्रैल 2022 तक आयोजित प्रशिक्षण में 52 मास्टर कुल 171 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जो इस प्रकार अब तक 52+119= 171 मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित किए जा चुके है।

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	23–24 फरवरी, 2022	पटना, वैशाली, भोजपुर एवं नालंदा	25
2	14–15 मार्च, 2022	नवादा, गया, जहानाबाद, सुपौल, किशनगंज, शिवहर, कटिहार, मुंगेर, सिवान, शेखपुरा, औरंगाबाद, मधेपुरा, बांका, सारण, पूर्णिया, अररिया, जमुई, खगड़िया, लखीसराय, सहरसा, बेगूसराय,	27

		मुजफ्फरपुर, अरवल, वैशाली, कैमूर, पटना एवं बक्सर	
3	5–6 अप्रैल, 2022	रोहतास, कैमूर (भभुआ), पटना, वैशाली, भागलपुर, समस्तीपुर, बांका, औरंगाबाद, बेगूसराय, सीतामढ़ी, मधुबनी, गोपालगंज, प0 चम्पारण, बक्सर, दरभंगा, गया एवं मुंगेर	26
4	7–8 अप्रैल, 2022	खगड़िया, जमूई, औरंगाबाद, गया, बेगूसराय, दरभंगा, मधेपुरा, मुंगेर, भागलपुर, पूर्णिया, कटिहार, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण, मधुबनी, अरवल, पटना एवं लखीसराय	23
5	12–13 अप्रैल, 2022	समस्तीपुर, सुपौल, लखीसराय, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, सिवान, रोहतास, सितामढ़ी, मधेपुरा, बांका, सारण, पटना, पूर्णिया, शेखपुरा, औरंगाबाद, नवादा, गया, सहरसा, अररिया एवं शिवहर	24
6	19–20 अप्रैल, 2022	शेखपुरा, पटना, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, अरवल, भागलपुर, सुपौल, अररिया, गया, औरंगाबाद, पश्चिम चम्पारण, सारण, खगड़िया, लखीसराय, बेगूसराय, सहरसा, समस्तीपुर, पूर्वी चम्पारण, रोहतास, जमुई एवं जहानाबाद	24
7	21–22 अप्रैल, 2022	किशनगंज, रोहतास, कटिहार, पूर्णिया, लखीसराय, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, मधुबनी, जहानाबाद, औरंगाबाद, अरवल, पटना, भागलपुर, खगड़िया, मुंगेर, बांका, गया एवं जमुई	22
		कुल	171

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(I) संस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण

National Institute of Disaster Management, New Delhi तथा Bihar State Disaster Management Authority, Patna के संयुक्त तत्वाधान में 'Preservation & Conservation of Cultural Heritage Sites and Precincts' from Disasters, विषय पर दिनांक 18–22 अप्रैल, 2022 तक पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बिहार म्यूजियम में आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न विभागों तथा जिलों से मध्यस्तरीय लगभग 90 पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन पटना में खासकर इसलिए किया गया कि बिहार पुरातत्व के अनेकों घरोहर हैं जिनकी सुरक्षा विभिन्न आपदाओं से वांछनीय है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत मिश्र ने किया। उद्घाटन सत्र के दौरान श्री अंजनी कुमार सिंह, महानिदेशक, बिहार म्यूजियम, श्री पी.एन. राय, माननीय सदस्य, श्री मनीष कुमार वर्मा, माननीय सदस्य तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. संतोष कुमार, NIDM की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा उन्होंने अपने विचारों से सभी प्रशिक्षुओं को अवगत कराते हुए बताया कि हमें अपने सांस्कृतिक घरोहरों की महत्ता की जानकारी बहुत जरूरी है तभी उनका संरक्षण संभव है। बिहार के प्राचीन शहर पाटलीपुत्र, राजगीर, नालंदा पावापुरी, सासाराम समेत अन्य जिलों में अवस्थित घरोहरों का विभिन्न प्राकृतिक तथा मानव जनित आपदाओं से बचाव तभी संभव है जब विभिन्न हितभागियों के द्वारा इनकी सुरक्षा हेतु समेकित प्रयास किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान दिनांक 20.04.2022 को एक स्थानीय भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने श्री हरमंदिर साहिब, अगमकुआं, देवी स्थान और गोलघर का अध्ययन किया तथा पाँच समूहों में उन्होंने आपदा प्रबंधन संबंधी विभिन्न विषयों पर उसकी सुरक्षा का आकलन कर कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रस्तुतिकरण दिया।

यह बातें सामने आई की हमें अपने सांस्कृतिक तथा प्राचीन घरोहरों को आपदा के प्रभाव से बचाना है। इससे बेहतर रखरखाव करने की भी जरूरत है ताकि ये मूल्यवान धरोहर हमेशा हमारे राज्य के लिए गौरवशाली इतिहास को दर्शाते रहें।

2. UNEP तथा NIDM द्वारा आयोजित ऑनलाईन राष्ट्रीय वेबिनार National Consultation workshop Upscaling community resilience through ecosystem-based disaster risk reduction में उपाध्यक्ष महोदय के निदेशानुसार दिनांक 26 अप्रैल, 2022 को समयः 11:00 पूर्वा0 से 01:00 अप0 तक भाग लिया और प्राधिकरण के द्वारा इस क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। बिहार में ECO DRR प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु निवेदन किया ताकि Nature based solution for water meditated disaster पर व्यापक काम किया जा सके तथा Wetland Conservation पर विशेष ध्यान दिया जा सके। चूंकि बिहार के बेगूसराय जिला में एक Kabartal Wetland Ramsar

Conservation site अवस्थित है और उसके संरक्षण के साथ साथ बिहार के अन्य Wetlands के संरक्षण के लिए कार्य करना भी जरूरी है चुंकि विगत वर्षों में बिहार के 50 प्रतिशत Wetlands विलुप्त हो चुके हैं। इसके संरक्षण हेतु जन, जीवन एवं हरियाली कार्यक्रम तथा वनीकरण के लिए अकिरा मियावाकी तकनीक का व्यापक उपयोग राज्य में किया जा रहा है।

(J) वज्रपात से बचाव संबंधी कार्ययोजना के लिए बैठक

वज्रपात से संबंधित संकलित आंकडों के अनुसार 2020 में 443 एव 2021 में 276 लोगों की मृत्यु हुयी। वर्ष 2020 एवं 2021 में हुए इन घटनाओं के संबंध में एक प्राथमिक अध्ययन किया गया। अध्ययन का निष्कर्ष इस प्रकार हैः–

- शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में वज्रपात से होने वाली मृत्यु अधिक है।
- वज्रपात के कारण मृत्यु मानसून के पूर्व एवं बाद में भी हो रही है।
- कृषि/ पशुपालन की गतिविधियों से जुड़े लोग अधिक प्रभावित हुए हैं।

वज्रपात से जान माल की व्यापक क्षति होती है, जिसमें लोगों और पशुओं की जानें मृत्यु हो जाती हैं, जो जीवित बच जाते हैं वो अपंग भी हो जाते हैं, जैसे आँखों की रोशनी का चला जाना, सुनने की क्षमता समाप्त होना या कम हो जाना इत्यादि।

अत: इन घटनाओं की रोकथाम हेतु विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों तथा उत्तरदायित्व संबंधी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 12.04.2022 को ज्ञान भवन में वज्रपात/ठनका से बचाव एवं रोकथाम संबंधी बैठक माननीय उपाध्यक्ष, डा॰ यू॰के॰ मिश्र, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अति प्रभावित 15 जिलों के साथ वज्रपात से बचाव एवं रोकथाम अध्ययन प्रतिवेदन एवं आगामी कार्ययोजना पर बैठक में विस्तार से विमर्श किया गया। कार्यक्रम में जागरुकता एवं पूर्व चेतावनी संबंधी हूटर, सायरन तथा बचाव हेतु एरेस्टर लगाये जाने संबंधी चर्चा की गई। इस संबंध में बताया गया कि प्रथम चरण की कार्ययोजना में पटना, गया एवं औरंगाबाद जिलों में क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना है। माननीय सदस्य श्री॰ पी॰एन॰ राय, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अवगत कराया गया कि वज्रपात से प्रभावित अति प्रवण 15 जिलों में जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक एवं पूर्व चेतावनी संबंधी गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाये। वज्रपात/ठनका से बचाव एवं रोकथाम संबंधी सर्वाधिक प्रभावित तीन जिलों (पटना, गया, औरंगाबाद) के कार्ययोजना की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।

(K) वज्रपात से बचाव संबंधी कार्ययोजना के लिए औरंगाबाद में बैठक

दिनांक 26.04.2022 को औरंगाबाद जिले के समाहरणालय सभाकक्ष में श्री पी.एन.राय, माननीय सदस्य की अध्यक्षता में वज्रपात से बचाव एवं रोकथाम की आगामी कार्ययोजना के क्रियान्वयन पर बैठक की गयी। बैठक में जागरुकता कार्यक्रम एवं पूर्व चेतावनी संबंधी हूटर, सायरन तथा बचाव हेतु एरेस्टर लगाये जाने सबंधी समय सीमा का निर्धारण जिला पदाधिकारी औरंगाबाद द्वारा किया गया।

माननीय सदस्य द्वारा जिले को निदेशित किया गया कि मानसून से पूर्व कार्य योजना से संबंधित सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाए। इससे संबंधित गतिविधियाँ एक मई, 2022 से शुरू करने का निदेश दिया गया।

श्री नीरज कुमार, सीनियर कन्सल्टेन्ट द्वारा बिहार में वज्रपात/ठनका से प्रभावित जिलों एवं मृत्यु संबंधी प्रतिवेदन (वर्ष 2020 एवं 2021) के अध्ययन संबंधी प्रस्तुति किया गया। प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार हैं:–

- वज्रपात से शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र अधिक प्रभावित हो रहे हैं।
- किसान/कृषि मज़दूर/पशुपालन से जुड़े लोग की अधिक संख्या में मृत्यु हो रही है।
- दोपहर 12:00 से सायं 06:00 के बीच वज्रपात से मृत्यु की घटनाएं अधिकतम होती है।
- खुले स्थान/कृषि क्षेत्र में ज्यादातर मृत्यु हो रही है।

बैठक में वज्रपात/ठनका से बचाव एवं रोकथाम संबंधी सर्वाधिक प्रभावित जिले औरंगाबाद के कार्ययोजना की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।

(L) M/s Anshul Snacks and Beverages Pvt. Ltd.में Boiler फटने की घटना के आलोक में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा के लिए समीक्षा बैठक

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के नुडल्स फैक्ट्री में Boiler फटने की घटना के बाद प्राधिकरण स्तर से एक कमिटी गठित कर घटना स्थल का जायजा किया गया। इस कमिटी में विभिन्न विभागों के अधिकारी सम्मिलित थे। इस संयुक्त कमिटी द्वारा दिये गये प्रतिवेदन में सुरक्षा के लिए अनेक अनुशंसाएं की गयी। किये गये अनुशंसाओं को संबंधित विभागों को भेज दिया गया। एवं उचित कार्रवाई का निर्देश दिया गया। अनुशंसाओं पर किए गये कार्य एवं आगे की रूप–रेखा के लिए 01.04.2022 को प्राधिकरण सभागार में बैठक हुई। गयी जिसमें संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस बैठक में उक्त दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदमों के विषय में विस्तृत चर्चा हुई एवं Hazardous एवं Non-Hazardous इकाईयों के वर्गीकरण की समीक्षा, Hardous इकाइयों की Third PartyAudit, Boiler Operators के ट्रेनिंग/Capacity Building ,Hazardous इकाइयों में मॉकड्रिल आदि विषय में आगामी कार्रवाई की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया।

(M) बिहार दिवस के अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले संस्थाओं को किया गया सम्मानित

बिहार दिवस 22–24 मार्च 2022 के अवसर पर आपदा प्रबंधन के लिए जागरूकता संबंधी बेहतर कार्य के लिए प्राधिकरण पेवेलियन के चार स्टॉल के संस्थाओं के सम्मानित किया गया ये सभी चार स्टॉल एन.जी.ओ. श्रेणी के हैं। सम्मानित होने वाले स्टॉलों में पहला स्थान 'सेव द चिल्ड्रेन', दूसरा स्थान 'रेडक्रॉस' और तीसरे स्थान पर घोघरडीहा प्रखण्ड विकास स्वराज, मधुबनी व 'उत्कर्ष एक पहल' को प्राप्त हुआ 28 अप्रैल को प्राधिकरण सभागार में आयोजित चारों स्टॉलों के प्रतिनिधियो को सम्मान पत्र एवं बूके देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए बिहार राज्य आपदा प्रबधंन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कान्त मिश्र ने सम्मान के लिए चयनित संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बधाई दीया उन्होंने कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर पेवेलियन के सभी स्टॉलों के द्वार जनजागरूकता के लिए बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने कहा कि आप सबो के सहयोग से हीं यह बेहतर कार्य सम्पन्न हो सका है। आपसबों का काम इतना बेहतर था कि सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का चयन करना मुसकिल हो रहा था। सभी सटॉलों पर जागरूकता के लिए एक से बढ़कर एक प्रदर्शन हुआ। डॉ मिश्र ने कहा कि लोगों की सर्वाधिक भीड़ पैमाने पर चयन किया गया। उन्होंने चयनित सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आपदा प्रबंधन के लिए लगातार काम करते रहने का अनुरोध किया। प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पी0 एन0 राय, ने सभी संस्थाओं की काम काज की

सरहाना करते हुए भविष्य में इसे जारी रखने का अनुरोध किया। चारों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी सम्मान समारोह के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राधिकरण को धन्यवाद दिया। विदित हो कि बिहार दिवस के मौके पर प्राधिकरण पेवेलियन में कुल 36 स्टॉल स्थापित हुए थे। सभी स्टॉलों पर जनजागरूकता के लिए चले कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक लोगों ने देखा व भ्रमण किया इस दौरान दर्शकों को आपदा प्रबंधन से संबंधित आई.ई. सी. मेटेरियल दिया गया ताकि वे आपदा से बचाव की जानकारी अपने परिवार और आस प्रास के लागों तक पहुचा सकें।

(N) सोनपुर मेला, 2022 के आयोजन की पूर्व तैयारी बैठक

सोनपुर मेला, 2022 के आयोजन की तैयारी के लिए प्राधिकरण सभागार में बैठक आयोजन किया गया। 28.04.2022 को आयोजित इस बैठक में प्राधिकरण द्वारा लगाये जाने वाले पेवेलियन एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों समेंत अन्य बिन्दुओं पर विमर्श किया गया। माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ0 उदय कान्त मिश्र के अध्यक्षत एवं माननीय सदस्य श्री पी0 एन0 राय, की मौजुदगी में आयोजित इस बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये।

1. बैठक में पैवेलियन के थीम चयन पर चर्चा की गई। **"जागरूक बिहार सुरक्षित बिहार"** थीम का सुझाव प्राप्त हुआ। बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा जिसमें पैवेलियन की तैयारी के संबंध में हितभागियों के सुझाव आदि प्राप्त होंगे।
2. प्राधिकरण के पैवेलियन में संचालित होने वाली विविध गतिविधियों को समाहित करते हुए प्रचार–प्रसार के लिए रेडियो जिंगल बनाया जायेगा।

3. National Inland Navigation Institute (NINI), के द्वारा चित्रकारी के माध्यम से विभिन्न समय काल में संचालित हुए पानी के जहाजों का चित्रण किया जाएगा।

4. कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस के द्वारा Inflatable Pond लगाकार डूबने से बचाव एवं एस0डी0आर0एफ0 के सहयोग से नौका दुर्घटनाओं से बचाव के बारे में डिमॉन्स्ट्रेशन किया जाएगा। कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु कार्यक्रमों के आयोजन होगें।
5. अग्निशमन सेवा के द्वारा फसल बचाने के तरीकों एवं झोपड़ियों में अग्नि सुरक्षा के लिए जन–जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

6. एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा विभिन्न प्रकार के जीवन रक्षक राफ्ट बनाने के तरीकों का प्रदर्शन एवं Hands on प्रशिक्षण दिया जाएगा।

7. Doctors for you के द्वारा बीमारियों के बारे में आम जनमानस को जागरूक करने का सुझाव दिया गया।

8. दोस्ताना सफर के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में पाई जाने वाली समाजिक बुराइयों से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा।
9. प्राधिकरण के तकनीकी प्रभाग द्वारा भूकम्प से सुरक्षित घरों के निर्माण के बारे में ग्रामीणों के बीच प्रतिदिन जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

10. प्राधिकरण के मानव जनित आपदा प्रभाग के द्वारा सुरक्षित नौका परिचालन के संबंध में प्रचार प्रसार एवं डिमॉन्श्ट्रेशन किया जाएगा।

11. प्राधिकरण के पैवेलियन में "Disaster Based Stall " लगाये जाएंगे।

12. प्रमुख पंडाल के मुख्य मंच पर विविध कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्रतिदिन कम से कम 04–05 घंटे समय के लिए जिला प्रशासन से अनुरोध किया जाएगा।

13. विद्यालयों के स्तर पर चलाए जा रहे विभिन्न आपदाओं के संबंध में जागरूकता स्टॉल एवं जानवरों के रख रखाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम किये जायेंगे।

14. सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित पुरूष/महिला मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के तरीके एवं प्राथमिक उपचार विषय पर स्थानीय नदी में डिमॉन्स्ट्रेशन किया जाएगा।

15 उल्लिखित कार्यक्रमों के आयोजन हेतु हितधारकों को शामिल करते हुए एक संचालन समिति का गठन किया गया। समय–समय पर बैठक आयोजित कर यह समिति कार्यक्रमों का निर्धारण करेगी।

(O) सड़क सुरक्षा विषय पर मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए प्रारूपण समिति की बैठक

सड़क दुर्घटनाओं के पूर्व एवं दुर्घटनाओं के पश्चात त्वरित कार्रवाई के लिए मानक संचालक प्रक्रिया (SOP) तैयार करने के लिए दिनांक 26.04.2022 को प्रारूपण समिति की बैठक हुई। नरेन्द्र कुमार, विंग कमांडर (Rtd.) मा0 अध्यक्ष, सड़क सुरक्षा समिति, BSDMA की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में SOP में शामिल किए जाने वाले विभिन्न अध्यायों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रथम ड्राफ्ट मई माह के दूसरे सप्ताह तक तैयार करने का निर्णय लिया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(P) मोटर पार्ट्स दुकानों में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रचार सामग्री का वितरण

प्राधिकरण द्वारा दिनांक 22.04.2022 को आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत राजधानी पटना के भट्टाचार्य रोड में 12 ऑटो पार्ट्स के दुकानदारों के बीच सड़क सुरक्षा के संबंध में प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण किया गया। इन दुकानदारों से अनुरोध भी किया गया कि प्रचार–प्रसार सामग्रियां आने वाले ग्राहकों के बीच वितरण करें। इससे सड़क सुरक्षा अभियान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। दुकानदारों को सम्पर्क नम्बर भी दिया गया कि सामग्रियों की और आवश्यकता पड़ने पर प्राधिकरण से संपर्क कर सकें।

(Q) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

आपदाओं से निपटने के लिए मानव बल के साथ साथ विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। यदि समय पर उपकरणों की जानकारी मिले तो आपदा से बचाव त्वरित होगा। इससे जान माल की क्षति कम होगी। इसके लिए राज्य सरकार और प्राधिकरण के स्तर पर BSDRN पोर्टल विकसित किया गया है। मार्च 2022 तक 38,306 संसाधनों की सूचना BSDRN पोर्टल पर प्राप्त हुई। अप्रैल 2022 में कुल 40707 संसाधनों की सूचना BSDRN पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है।

इस प्रकार अब तक BSDRN पोर्टल पर (38,306+2401)= 40,707 संसाधनों की प्रवृष्टि हुई है।

इस पोर्टल पर मिले उपकरणों समेत बचाव के विभिन्न सामग्रियों की जानकारी इस प्रकार है।

खोज एवं बचाव उपकरण :–	5185
कुशल जनशक्ति :–	12590
परिवहन :–	2305
खाद्य और जल जलस्त्रोत :–	6086
सुरक्षा और आश्रयः–	9710
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :–	4831
कुल संख्या :–	40,707

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(R) Mass Messaging

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह के प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (**चयनित–207429**, गैर चयनित–**435699),** जीविका दीदी– **(148890),** आशा कार्यकर्ता **(77542),** आगनबाड़ी सेविका **(45946)** एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों समेत अन्य **लगभग 36 लाख नंबर** पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मैसेजिंग) नियमित रूप से किये जाते हैं। इस प्रकार मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। इसका उपयोग न केवल Early Warning तक सीमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation एवं जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। माह मार्च 2022 में कुल **845012** मास मैसेजिंग किया गया। अप्रैल का प्रतिवेदन 10 से 15 मई तक प्राप्त होगा। गर्म हवाएं/लू से सुरक्षा के उपाय निम्न है:–

जब भी बाहर धूप में जायें
जितनी बार हो सके पानी पीयें, बार–बार पानी पीयें, सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें।
यथा संभव हल्के रंग के, ढीले ढाले एवं सूती कपड़े पहने।
धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढ़के व हमेशा जूता या चप्पल पहनें।
हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल जैसे– तरबूज, खीरा, ककड़ी, खरबूजा, संतरा आदि का अधिकाधिक सेवन करें।
जानवरों को छाँव में रखें एवं उन्हें भी खूब पानी पीने को दें।
अगर तबियत ठीक न लगे या चक्कर आये जो तुरंत डॉक्टर संपर्क करें।